

## NGT ने ठोस अपशषिट फेंकने पर जुर्माना लगाया

### चर्चा में क्यों?

हाल ही में [राष्ट्रीय हरति अधकिरण \(National Green Tribunal- NGT\)](#) ने उत्तर प्रदेश के अनाधिकृत कषेत्रों में [अपशषिट फेंलाने या ठोस अपशषिट डालने](#) पर पूरण प्रतबिंध लगा दया है, जसके उल्लंघन पर 5,000 रुपए से 50,000 रुपए तक का जुर्माना लगाया जाएगा ।

### मुख्य बढि:

- न्यायालय के अनुसार, उल्लंघनकर्त्ता को पहली बार में 5,000 रुपए का पर्यावरण मुआवज़ा देना होगा, तथा आगे भी अपशषिट फेंकने अथवा ठोस अपशषिट डालने की घटनाओं पर 10,000 रुपए का मुआवज़ा देना होगा ।
- यद कोई थोक अपशषिट उत्पादक, रयायतग्राही, शहरी स्थानीय नकाय या कोई अन्य व्यक्तभारी मात्रा में अपशषिट फेंलाते या डंप करते हुए पकड़ा जाता है, तो पहली बार अपराध करने पर 25,000 रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा तथा उसके बाद के कसि भी अपराध के लये 50,000 रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा ।
- NGT ने यह आदेश राप्ती नदी के तटबंध पर अपशषिट डाले जाने से जल प्रदूषण होने संबंधी याचका पर पारति कया ।

### राष्ट्रीय हरति अधकिरण (National Green Tribunal- NGT)

- यह पर्यावरण संरक्षण तथा वनों और अन्य प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण से संबंधति मामलों के प्रभावी व शीघ्र नपिटान के लये [राष्ट्रीय हरति अधकिरण अधनियम, 2010](#) के तहत स्थापति एक वशेष नकाय है ।
- ऑस्ट्रेलया एवं न्यूज़ीलैंड के बाद, भारत राष्ट्रीय हरति अधकिरण (NGT) के गठन के साथ एक समरपति पर्यावरण न्यायाधकिरण स्थापति करने वाला वशिव का तीसरा देश और पहला वकिसशील देश बन गया ।
- राष्ट्रीय हरति अधकिरण (NGT) को आवेदनों अथवा अपीलों का अंतमि रूप से नपिटान दायर होने के 6 महीने के भीतर करना अनवारय है ।
- राष्ट्रीय हरति अधकिरण (NGT) के पाँच बैठक स्थान हैं, नई दलिली इसकी मुख्य बैठक स्थान है तथा भोपाल, पुणे, कोलकाता और चेन्नई अन्य चार हैं ।